वो सात दिन कैसे बीते-7

“मेरी पड़ोसन की लड़की प्रतिबन्धों के दायरों में रह कर उन सभी कामों का आनन्द मेरी मदद से उठा रही थी। अक्षतयोनि रखने की चाहत में उसने गांड में लिंग का स्वाद चखा। ...”

Story By: इमरान ओवैश (imranovaish)
Posted: गुरूवार, जुलाई 28th, 2016
Categories: लड़कियों की गांड चुदाई
Online version: वो सात दिन कैसे बीते-7

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो सात दिन कैसे बीते-7

‘मज़ा आ गया।’ थोड़ी देर बाद उसने करवट ली और मेरी आँखों में देखते हुए बोली- अब मैं इमैजिन कर सकती हूँ कि जब आगे से इस तरह सोहबत करते होंगे तो कितना मज़ा आता होगा।’

‘अभी तुम्हारे मज़े ने दर्द से लड़ कर जीत पाई है। जब दर्द की गुंजाईश नहीं बचेगी और तब करेंगे तो इससे ज्यादा मज़ा आएगा।’

‘तुम्हारा पेस्ट अंदर ही है।’
‘हाँ- धीरे धीरे निकल जायेगा या ऐसा करो बाथरूम जाकर बैठो और थोड़ा जोर लगाओ, सब निकल जायेगा।’

‘अंदर भी रह जाये तो कोई प्रॉब्लम है क्या ?’
‘नहीं। क्या प्रॉब्लम होगी… मुझे एच आई वी थोड़े है और वैसे भी रेक्टम ऐसी जगह है जहाँ बैक्टीरिया की भरमार होती है। वहाँ स्पर्म भला क्या नुक्सान पहुंचा पाएंगे।’

‘फिर रहने दो, फाइनली जब तुम जाओगे तो साफ़ कर लूंगी। अभी जहाँ जो भी बहता चूता है उसे बहने चूने दो। चादर चेंज करनी ही है। चलो एनल सेक्स वाली मूवी दिखाओ, कौन कौन से आसन इस्तेमाल होते हैं।’

फिर हम कायदे से लेट कर एनल सेक्स वाली मूवी देखने लगे।

करीब घंटे भर बाद फिर गर्म हुए… पर इस बार हमने खेलने के अंदाज़ में कई आसनों से गुदामैथुन का मज़ा लिया। उसका छेद इतने बार में इतना ढीला हो गया था कि अब आराम से हम हर पोजीशन में सहवास कर सकते थे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर काफी खेल चुके तो मैंने फिर उसकी चटाई शुरू की और उसे उत्तेजना के शिखर तक पहुँचा कर वापस लिंग अंदर घुसाया और जोर जोर से धक्के लगाने शुरू किये।
इतनी देर खेलने का असर पड़ा और दोनों जल्दी ही डिस्चार्ज हो गए।

फिर लेट कर फ़िल्में देखीं, अन्तर्वासना पर कुछ कहानियाँ पढ़ीं और फिर एक एक पैग लेके वापस जुटे।

हालाँकि अब मैं स्खलित नहीं होना चाहता था क्योंकि यह एक दिन का नहीं था, अभी लगातार चार रातें झेलना था। इस बात को ध्यान में रखते हुए मैंने उसे ही चरमोत्कर्ष तक पहुँचा दिया और खुद को बचाए रखा।

बुध की रात का काम तमाम हुआ और मैं थका हारा वापस पहुँच कर सो गया।

अगला दिन

अगले दिन वह सुबह कुछ जल्दी ही यूनिवर्सिटी चली गई, जहाँ से मैंने उसे बारह बजे पिक किया।

वहाँ से निकल कर इंजीनियरिंग कॉलेज के पास पहुँचे जहाँ हमने थोड़ा खाया पिया फिर रिंग रोड पे चलते, खुर्रम नगर चौराहे से मुड़ कर कुकरैल पिकनिक स्पॉट आ गए।

अब उसका रोज़ का मामूल था कि वह घर से वैसे ही बंद गोभी की तरह ढकी मुंदी निकलती, कहीं मौका देख कर अपने लबादे को पर्स में ठूंस लेती, नीचे जीन्स टॉप टाइप का पहनावा होता और वापसी में वह फिर से नक़ाब स्कार्फ मढ़ लेती और जैसी घर से निकलती थी वैसे ही घर पहुँचती।

यह इलाका भी प्रेमी जोड़ों के लिए काफी मुफीद था और यहाँ हर तरह के करम हो जाते

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

थे।

बहरहाल, हमें तो वैसे भी अपने कर्मों के लिए सुविधा उपलब्ध थी इसलिए हमने इधर उधर लेटे बैठे वक़्त गुज़ारा और इधर उधर की बातें करते न सिर्फ चूमाचाटी की, बल्कि मौका देख कर उसने लिंग चूषण भी किया, जबकि मैंने उसके मम्मों का मर्दन चूषण किया और उसके दोनों छेदों में उंगली भी खूब की, जिससे उसका वहाँ भी पानी छूट गया था।

उसे पीछे के छेद में दर्द था और हल्की सूजन भी महसूस हो रही थी इसलिए उसके दर्द और सूजन की दवा हमने इंजीनियरिंग कॉलेज के पास से ही ले ली थी जिसकी वजह से अब उसे दर्द से तो राहत थी।

आज उसे पांच बजे ही रिहा कर दिया, वह घर निकल गई और मैं अपने कुछ दोस्तों साथियों के पास, जहाँ मुझे इतना वक़्त लग गया कि मैं गौसिया के पास दस के बजाय साढ़े दस बजे पहुंचा।

'कहाँ अटक गए थे ?' उसने थोड़ी नाराज़गी भरे स्वर में कहा।
'थोड़ा मसाज आयल का जुगाड़ कर रहा था।'
'मसाज आयल ! वह किसलिए ?'

'आज तुम मसाज का मज़ा लोगी। बेड पर कोई साफ़ पुरानी चादर डाल लो।' मैंने उसे मसाज आयल की शीशी दिखते हुए कहा।

फिर महफ़िल सजी... रात रंगीन हुई।
हमने सिगरेट पी- एक एक पैग लगाया और फिर वह नंगी होकर लेट गई।

कपड़े मैंने भी उतार दिए थे ताकि तेल न लगे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर उसके होंठों पर एक जोरदार चुम्मी के साथ मैंने उसे औंधा लिटाया और उसकी पीठ से मालिश शुरू की।

अपनी उँगलियों को सख्त नरम करते हुए उसकी रीढ़, कॉलर बोन, शोल्डर और हाथ के पक्खों को मसलता रहा, फिर कमर पर थोड़ी सख्त मालिश की और कमर से नीचे मखमली नितम्बों को तो ऐसे भींच भींच कर मसला कि उसकी योनि गीली हो गई।

दोनों कूल्हों को फैला कर छेद को अच्छे से तेल से भिगाया, मसला और उंगली को अंदर बाहर करते छेद की भी मालिश की।

वहाँ दवा की वजह से अब दर्द तो नहीं था मगर हल्की सूजन अब भी थी लेकिन जिस्म की गर्माहट और उत्तेजना उसे आगे के लिए तैयार कर देने वाली थी।

फिर वहाँ की अच्छे से सेवा हो गई तो उसकी भरी भरी जांघों और मांसल पिंडलियों को अच्छे से मसाज किया।
इसके बाद उसे सीधा करके लिटा दिया और थोड़ी सी मालिश गर्दन और कन्धों की करने के बाद ढेर सा तेल उसके गर्म होकर तन गए वक्षों पर लगा दिया और उन्हें ऐसे मसलने लगा जैसे आटा गूंध रहा होऊँ।

वह दांतों से होंठ कुचलती, बड़े प्यार भरे अंदाज़ में मुझे देखती 'सी-सी' कर रही थी।
उसने अपने हाथ उसने मोड़ कर सर की तरफ डाल लिए थे।

मैं अपने घुटनों के सहारे उसके पेट पर बैठा उसके स्तनों का भरपूर मर्दन कर रहा था।

जब दोनों मम्मों की अच्छे से मालिश हो गई और दोनों चोटियाँ नुकीली होकर तन गईं तो नीचे उसकी जांघों पर आकर मैं उसके पेट की मालिश करने लगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अब उसने अपने हाथ नीचे कर लिए थे और खुद से अपने वक्षों को दबाने सहलाने लगी थी।

मैंने अपने मालिश करते हाथ नीचे उतारे और उदर की ढलान पर एक लकीर के रूप में दिख रही योनि की फांकों को खोल कर देखा। वह गीली होकर बहने लगी थी।

उसके ऊपर से हट कर मैं उसकी टांगों के बीच आ गया और उसके पांव घुटनों से मोड़ कर फैला दिए, फिर थोड़ा तेल लगा कर योनि के ऊपरी हिस्से को रगड़ने लगा, उसकी गहरे रंग की कलिकाओं को खोल कर उन्हें मसलने लगा।

मैं ऊपर से नीचे तक पूरी योनि के आसपास मालिश करने लगा और सबसे अंत में तेल में डूबी उँगलियों से उसके दाने को मसलने लगा।

वह थोड़ी देर 'आह-उफ़... सी सी' करती बड़बड़ाती रही फिर जब लगा कि उसका पानी ही छूट जायेगा तो उसने एकदम से अपने पांव समेट कर मुझे धकेल दिया।
मैं बिस्तर पर लुढ़क गया और वह बैठ कर हंसने लगी।

'डिस्चार्ज होने वाली थी मैं, अच्छा अब तुम लेटो, मैं तुम्हारी मसाज करती हूँ।' उसने अपनी पोजीशन दुरुस्त करते हुए कहा।

मैं आज्ञाकारी बच्चे की तरह औंधा लेट गया।
उसने तेल लेकर मेरी पूरी पीठ गर्दन पर फैला दिया और पहले अपने नरम नरम हाथों से मेरी पीठ रगड़ती रही फिर मेरी गर्दन चूमते हुए... मेरे पेट के दोनों तरफ फैले अपने घुटनों पर भार रखते हुए, मेरी पीठ पर इस तरह झुक गई कि उसके मम्मे पीठ से रगड़ने लगे।
अब वह अपने तेल से चिकनाए वक्षों को सख्ती से मेरी पूरी पीठ पर रगड़ने लगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

यह नरम नरम छुअन मेरे लिंग को कड़ा करने लगी।

वह अपने वक्षों को रगड़ती नीचे जाती, ऊपर आती, दाएं जाती, बाएं जाती और ऐसी ही अवस्था में नीचे खिसकते हुए मेरे घुटनों तक पहुँच गई और अपने वक्षों से ही मेरे कूल्हों को रगड़ने मसलने लगी।

फिर दोनों हाथों से मुट्ठियों में मेरे चूतड़ों को मसलती रगड़ती मेरे जुड़े हुए पैरों पर घुटनों के पीछे, अपने पेट के निचले सिरे, यानि उस हिस्से को जहाँ उसकी गीली होकर बह रही योनि थी और तेल से नहाया गुदाद्वार था, रगड़ने लगी।

वहाँ से उठती भाप जैसे मैं अपने पैरों पर महसूस कर सकता था।

दोनों कूल्हों को मसलती कहीं वह उन्हें एक दूसरे से मिला देती तो कहीं एकदूसरे के समानांतर फैला देती और यूँ मेरे गुदाद्वार को अपने सामने नुमाया कर लेती।

फिर उसने वहाँ भी तेल टपकाया और मेरे छेद को उंगली से सहलाने लगी।

मेरे दिमाग पर नशा सा छा रहा था।
भले मैं 'गे' नहीं था लेकिन यह ऐसी संवेदनशील जगह थी जहाँ इस तरह की छुअन आपको उत्तेजित ही कर देती है, भले करने वाला पुरुष हो या औरत।

और जैसा कि मैं उम्मीद कर रहा था उसने सहलाते सहलाते अपनी उंगली अंदर उतार दी।

मुझे भी वैसा ही मज़ा आया जैसा उसने महसूस किया होगा और मेरी भी 'आह' छूट गई जिसे सुन कर वह हंसने लगी- क्या तुम्हें भी मज़ा आता है यहाँ ?
उसने शरारत भरे अंदाज़ में पूछा।

'किसे नहीं आता ? मगर मर्द के दिमाग में बचपन से यह बात पारम्परिक मान्यता की तरह

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ठूंस दी जाती है कि यह गलत है और मर्द होकर मर्द से करना तो बिल्कुल गलत है इसलिए सामान्य मर्द इस हिस्से के मज़े से बेहिस बने रहते हैं, जो इस वर्जना को तोड़ देते हैं वह भले मज़ा हासिल करने में कामयाब रहते हो लेकिन 'गे' के रूप में समाज में अपमानित भी होते हैं।'

फिर वह बड़ी लगन और दिलचस्पी से उंगली अंदर बाहर करने में लग गई और मैं आँखें बंद करके उस मज़े पर कन्सन्ट्रेट करने लगा जो मुझे अपने जिस्म के उस हिस्से से मिल रहा था जो मेरे संस्कारों के हिसाब से इस क्रिया के लिये वर्जित था।

फिर उसने उंगली हटा ली और मेरे कूल्हों को छोड़ कर परे हटी और मुझे पलट कर सीधा कर लिया।

अब वह अपनी दोनों टांगें मेरे इधर उधर रखे मेरे पेट पर बैठ गई... उसकी गर्म, रस और भाप छोड़ती योनि और तेल से चिकना हुआ गुदाद्वार मेरे पेट से रगड़ता उसे गीला करने लगा और वह मेरे कन्धों और सीने की मालिश करने लगी।

इस घड़ी उसके चेहरे पर शरारत थी और आँखों में मस्ती...
मसाज करते करते वह पीछे खिसकी और वहाँ पहुँच गई जहाँ लकड़ी की तरह तना मेरा लिंग मौजूद था जो अब उसकी दरार की गर्माहट को अपने ऊपर महसूस कर रहा था।

फिर गौसिया मेरे सीने पे ऐसे झुकी कि उसके दूध मेरे पेट के ऊपरी हिस्से से रगड़ खाने लगे और उसने जीभ निकाल कर मेरे छोटे से निप्पल को चाटा, मेरे शरीर में एक सिहरन दौड़ गई।

वह हंस पड़ी।

'मतलब आदमी को भी वही संवेदनाएं होती हैं।'

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘कुछ हद तक… वैसी सहरंगेज नहीं पर होती हैं।’

फिर वह अपनी ज़ुबान से मेरे दोनों तरफ के निप्पल छेड़ने चुभलाने लगी।

नीचे उसकी गीली दरार मेरे पप्पू को बुरी तरह भड़का रही थी।

फिर उसने खुद से अपने चूतड़ों को इस तरह सेट किया कि मेरे लिंग की नोक उसके पीछे वाले छेद से सट गई और अपना एक हाथ पीछे ले जा कर वह लिंग को पकड़ कर अंदर घुसाने की कोशिश करने लगी।

अगर यह कोशिश शुरू में की होती तो अंदर होने में थोड़ी मुश्किल आती भी लेकिन अब तक तो हम कामोत्तेजना से ऐसे तप चुके थे कि मेरा लिंग लकड़ी बन चुका था और उसका छेद खुद से गीला होकर ढीला हो गया था।

थोड़ी कसाकसी के साथ वह गर्म गड्ढे में उतर गया।

एक आह सी उसके मुंह से ख़ारिज हुई और उसने मेरे निप्पल से मुंह हटा लिया और कुछ ऊपर होकर मेरी आँखों में देखते हुए मुस्कराने लगी।

‘इस तरह आगे पीछे होना तो ध्यान रखना कहीं आगे ही न घुस जाए।’
‘नहीं घुसने दूँगी और घुस भी गया तो देखा जायेगा।’

हम दोनों के शरीर तेल से चिकने हुए पड़े थे… वह मेरे पेट से सीने तक अपने दूध रगड़ते आगे हुई तो लिंग धीरे धीरे सरकता हुआ बाहर हो गया।

फिर उसी तरह वह वापस नीचे खिसकी और यह चाहा कि लिंग खुद छेद में घुस जाए लेकिन इस तरह योनि में तो घुस सकता है मगर गुदा में नहीं।
उसे फिर हाथ की मदद लेनी पड़ी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वह बार बार ऐसे ही मेरे फ्रंट से अपना फ्रंट रगड़ती आगे पीछे होती लिंग को बाहर और हाथ के सपोर्ट से अंदर करती रही, इस तरह उसकी योनि का ऊपरी सिरा भी मेरे पेट के निचले सिरे से घर्षण का मज़ा पा रहा था और उसके आनन्द को दोगुना कर रहा था।

लेकिन यह स्थिति बहुत सुविधाजनक नहीं थी और जब लगा कि अब कुछ चेंज होना चाहिए तो सीधे होकर मेरे ऊपर इस तरह बैठ गई कि लिंग उसके छेद के अंदर ही रहा और अपने हाथ मेरे सीने से टिका कर अपने कूल्हों या कहो कि कमर को इस तरह राउंड घुमाने लगी जैसे बैले डांस में घुमाते हैं।

लिंग चरों तरफ मूव करते उसके छेद के साथ अंदर बाहर सरक रहा था और दोनों की उत्तेजना को अपने शिखर की तरफ ले जा रहा था।

'मार्वलस ! तुम तो सीख गई... ग़ज़ब हो यार !' आज बड़बड़ाने की बारी मेरी थी।

कुछ झटकों के बाद वह रुक जाती और एक ही पोजीशन में बैठे बैठे ऐसे हिलती जैसे ऊँट की सवारी कर रही हो।
इस तरह लिंग तो अंदर बाहर न होता जिससे मुझे आराम था लेकिन उसकी योनि मेरे लिंग के ऊपर के तीन दिन के बालों से जो रगड़ खाती वह उसे ज़रूर मस्त कर देती।

फिर मेरे आराम के पल पूरे हुए और उसने थकन के आसार दिखाये लेकिन उठी फिर भी नहीं, बस लिंग के ऊपर बैठे बैठे इस तरह घूम गई कि लिंग एक ही पोजीशन में रहा और उस पर चढ़ा छल्ला घूम गया।

उसके सीने के बजाय अब उसकी पीठ मेरी तरफ हो गई और उसने थोड़ा पीछे होते हुए मेरे सीने पर अपने पंजे टिकाये और अपने चूतड़ों को इतना ऊपर उठा लिया कि नीचे से मैं धक्के लगा सकूँ।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसकी मनोस्थिति मैं समझ सकता था… मैंने सहारे के लिए उसके दोनों कूल्हों के नीचे अपनी हथेलियाँ लगा लीं और फिर अपनी कमर के जोर से धीरे धीरे धक्के लगाने लगा।

उसकी कामुक सीत्कारें कमरे में गूंजती तेज़ होने लगीं।

बीच में कभी इस हाथ से कभी उस हाथ से वह अपनी क्लिटरिस भी सहलाने लगती जिससे उसे चरम पर पहुँचने में देर नहीं लगी।

'जोर जोर से करो… हार्डर हार्डर…' वह तेज़ होती साँसों के बीच बड़बड़ाई।

मैंने धक्कों की स्पीड तेज़ कर दी और जितनी मुझमें क्षमता थी मैं तेज़ और जोर से धक्के लगाने लगा।

कमरे में 'थप-थप' की संगीतमय आवाज़ गूंजने लगी।

और जब वह स्खलन के जोर में अकड़ी तभी मेरे लिंग ने भी लावा छोड़ दिया और वह एकदम मेरे सीने पर फैल गई और एक हाथ से चादर तो दूसरे हाथ से मेरी बांह दबोच ली…

जबकि मैंने स्खलन के क्षणों में दोनों हाथों से उसके पेट को दबोच लिया था।

तूफ़ान गुज़र गया… दिमाग की सनसनाहट काबू में आई तो हम अलग हुए और थोड़ी देर में हम बिस्तर के सरहाने टिके साँसें नियंत्रित कर रहे थे।

'हर दिन एक नया मज़ा… शायद यही तो चाहती थी मेरे अंदर की मिस हाइड !' उसने खुद से एक सिगरेट सुलगा ली और कश लेकर धुआं छोड़ती हुई बोली- लेकिन एक बात कहूँ… यह ठीक है कि मैं हर रोज़ बेशर्म होती जा रही हूँ लेकिन एक डर भी दिल में समां रहा है कि कभी ये बातें लीक हो गईं तो… किसी को पता चल गया तो ?'

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘कैसे ?’
‘पता नहीं… मैं तो बताने से रही। शायद तुमसे… मुझसे वादा करो कि कभी तुम यह सब किसी को बताओगे नहीं।’

‘नहीं… मैं यह वादा नहीं कर सकता कि बताऊँगा नहीं, पर यह वादा कर सकता हूँ कि तुम्हारी आइडेंटिटी डिस्क्लोज नहीं करूँगा।’
‘और बताओगे किसे ?’

‘कह नहीं सकता। हो सकता है न ही बताऊँ पर वादा करने की हालत में नहीं क्योंकि मैं खुद को जानता हूँ। खैर छोड़ो- अगर तुम्हारी एम एम ऍफ़ की ख्वाहिश हो तो कहो वह भी पूरी कर दूँ।’

‘मतलब ?’

‘मतलब दो लड़के और एक लड़की… मतलब कोई और लड़का भी हमारे साथ ?’

‘नहीं, अब मेरे अंदर की मिस हाइड इतनी बेलगाम भी नहीं हुई और वैसे भी उसका मज़ा तब आएगा जब एक आगे करे एक पीछे और यहाँ आगे कुछ होना नहीं। ऐसे नाज़ुक वक़्त में सँभलने की उम्मीद मैं तुमसे कर सकती हूँ किसी और से नहीं, चलो पैग बनाओ।’

बोतल में अब इतनी ही बची थी कि एक बड़ा पैग बन सकता।

मैंने पैग तो बनाया पर पिया अलग ढंग से… मैं घूँट लेता, थोड़ी अपने गले में उतारता और थोड़ी उसके मुंह से मुंह जोड़ कर उसमें उगल देता जिसे वह गटक जाती और दूसरा घूँट वह लेती और उसी तरह मुझे पिलाती।

साथ ही मोबाइल भी हाथ में ले लिया और कुछ मज़ेदार पोर्न देखने लगे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

थोड़ी देर बाद जब फिर गर्म हुए तो फिर तेलियाए हुए जिस्मों के साथ शुरू हो गए, खेलने वाला एक लम्बा सिलसिला फिर चला और अंत वही हुआ जो ऐसी हालत में होता है।

आज दो बार में ही उसका दम भी निकल गया और फिर मुझे वहाँ से रुखसत होना पड़ा।

कहानी कैसी लगी अब तक, मुझे ज़रूर बताएँ।

imranovaish@yahoo.in

imranrocks1984@gmail.com

फ़ेसबुक: https://www.facebook.com/imranovaish

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

चुदासी भाभी नादान देवर

दोस्तो, मैं आपकी अपनी सहेली माया… आज मैं आपको अपनी एक और करतूत के बारे में बताने जा रही हूँ। दरअसल जब काम की आग लगती है न, चाहे चूत में लगे या लंड में फिर और कुछ नहीं दिखता, […]

Full Story >>>

चूत चुदाई की तमन्ना मौसी को चोदकर पूरी हुई-3

अब तक आपने मौसी के साथ चुत चुदाई की इस सेक्स स्टोरी में पढ़ा कि मेरा लंड मौसी की चुत में पेवस्त हो गया था और मैं उनकी धकापेल चुदाई करने लगा था। अब आगे.. मैं कई देर तक मौसी […]

Full Story >>>

भाभी की चुदाई की कहानी- 35 साल की चुत और 24 साल का लौड़ा

मैं निलेश पुणे से… मैं आपको बता दूँ कि मुझे आज तक चुदाई का ज्यादा मौका नहीं मिला, फिर भी 3 औरतों की चुत मारी है। लेकिन हाल ही में घटी घटना ने मेरे लिए चुत के द्वार खोल दिए […]

Full Story >>>

पति के सामने साली की चुदाई जीजू से

दोस्तो, मेरी कहानियाँ पढ़कर मुझे आप लोगों से बहुत मेल आते हैं, जिनमें से कुछ पाठक दोस्त मुझे इन कहानियों का किरदार मान लेते हैं और बड़े रोचक प्रस्ताव देते है। दोस्तो, मेरी सभी कहनियाँ आप लोगों के बीच से […]

Full Story >>>

इन्दौर में दो लंड और तीन चुत का ग्रुप सेक्स-4

बातें करते हुए आंचल बोली- बेचारी सारिका का नंबर नहीं लग पाया अच्छे से ! तो मैंने कहा- अरे सारिका का नंबर अब लगायेंगे मैं और विनय दोनों मिल कर ! निशु एकदम बोली- अरे एक साथ दोनों नंबर कैसे लगाओगे ? तभी […]

Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Savitha Bhabhi

Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Pinay Video Scandals

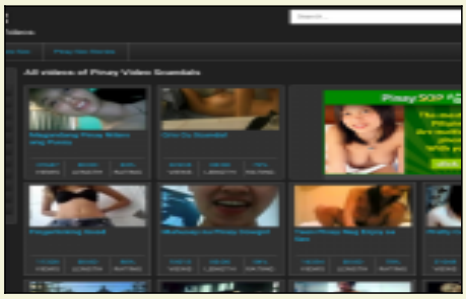

Manood ng mga video at scandals ng mga artista, dalaga at mga binata sa Pilipinas.

Desi Tales

Indian Sex Stories, Erotic Stories from India.

Antarvasna Gay Videos

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

Suck Sex

Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Meri Sex Story

मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire